आया शरण तेरी साँवरे

आया आया शरण तेरी साँवरे,
तेरे चरणों का एक अभिलाषी।।
दे दे दर्शन हमें तूँ साँवरे,
तेरे चरणों का में एक अभिलाषी।।

पूजा अर्चन तेरी में जानू प्रभु,
फिर भी कृपा तुम्हारी हमें चाहिए,
जिस भी हूँ हूँ तो तुम्हारा प्रभु,
तेरे चरणों का एक अभिलाषी,
दे दे दर्शन हमें तूँ साँवरे,
तेरे चरणों का में एक अभिलाषी।।

जीव्हा लेती नही नाम तेरा कभी,
न ही हाथों से माला तुम्हारी जपी,
न ब्रत तप किये मैन प्रभुवर तेरे,
फिर भी चरणों का तेरे में अभिलाषी,
दे दे दर्शन हमें तूँ साँवरे,
तेरे चरणों का में एक अभिलाषी।।

जन्मो जन्मो का राजेन्द्र बड़ा पातकी,
तेरी कृपा के काबिल नही हूँ मगर,
में भला या बुरा जैसा भी हूँ तेरा,
तेरे चरणों का हूँ एक अभिलाषी,
दे दे दर्शन हमें तूँ साँवरे,
तेरे चरणों का में एक अभिलाषी।।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25441/title/aaya-sharan-teri-sanware

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |